A News Letter of Sanskriti University

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

प्रतिबिम्ब

Volume:- 1 February 2020

रागिनी के गीतों पर थिरक उठे पांव

संस्कृति विश्वविद्यालय में लंबरगिनी फेम ने बिखेरा गीत-संगीत का जादू

मथुरा। लंबरगिनी फेम रागिनी टंडन ने संस्कृति विश्वविद्यालय में अपने ताजातरीन और हिट गीतों से उपस्थित हजारों श्रोताओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। उनके नए गीत 'अभी अभी' को उन्होंने नए अंदाज में पेश कर बार-बार तालियां बजवाईं। यू ट्यूब पर अपने गीतों से नित नया रिकार्ड बनाने वाली रागिनी ने संस्कृति विवि के खुले मंच से यहां के श्रोताओं की जमकर तारीफ करते हुए पूरी तन्मयता से प्रस्तुतियां दीं। मंच पर एक ओर जहां रागिनी अपने पंजाबी स्वरों का जादू बिखेर रहीं थीं तो वहीं दूसरी ओर संस्कृति विश्वविद्यालय के हजारों छात्र-छात्राएं उनके गीतों पर ठुमके लगा-लगाकर नाच रहे थे। श्रोता और दर्शक जो शुरू में बड़ी सभ्यता के साथ अपनी कुर्सियों पर जमे हुए थे वे भी इस जोशो-जुनून में शामिल होकर नाचने लगे। युवाओं के हाथों में मोबाइल फोन थे जिनके कैमरे हर पल को कैद करने में मशगूल थे। मंच सतरंगी रौशनियों से नहा रहा था और रागिनी अपने स्वरों से सबको सराबोर कर रही थीं। 'अभी-अभी' सुनाने से पहले उन्होंने, लंबरगिनी चलाई जानीओ, सानू वी झूठा दे दिओ, कित्थे कल्ले कल्ले जाई जानिओ, गीत का जादू बिखेरा। स्पीकरों से संगीत की हजारों वाट में निकल रही धमक लोगों के दिल धड़कने पर मजबूर कर रही थी। संगीत की धुनें सागर में लहरों की तरह उठ और गिर रही थीं। उसी अंदाज में युवा भी थिरक रहे थे। इसके बाद उन्होंने दिल को छूता अपना लोकप्रिय गीत, तुझ तक चले मेरे रास्ते, इक तू ही ठीक लगे मेरे वास्ते....खबर फैला दो, सुनाया। बेहतरीन अंदाज में गाए इस गीत न सबका दिल जीत लिया। फिर आया 'अभी-अभी' का नंबर, अभी-अभी तो नजरें मिली हैं, इसे प्यार तो न कहो, जैसे शब्दों में पिरोया यह गीत श्रोताओं के दिलों पर ऐसा छाया कि वे साथ-साथ गुनगुना उठे। सुरु और संगीत का यह क्रम देर तक चला और लोगों का भरपूर मनोरंजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

EST SINGLE

SANSKRITI UNIVERSITY
WELCOMES

CANTEEN

वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन में भाग लेते संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं।

संस्कृति विवि में वसंत पंचमी पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रांगण में छात्र-छात्राओं ने दो दिवसीय वसंत पंचमी उत्सव उत्साह के साथ मनाया। मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर दोनों दिन विधिवत पूजा-अर्चना की गई। छात्र-छात्राओं ने इस मौके पर परंपरागत भजन गाकर और नृत्य कर सारे माहौल को भक्ति के भाव में डुबो दिया। पूजन के लिए उपस्थित हुए पंडित ओम प्रकाश गौड़ ने परंपरागत पूजन के उपरांत छात्र-छात्राओं का ज्ञान वर्धन करते हुए बताया कि ऋतुराज वसंत को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसारसृष्टि के रचनाकार भगवान ब्रह्मा ने जब संसार को बनाया तो पेड़-पौधों और जीव-जंतु सभी दिख रहे थे लेकिन उन्हें किसी चीज की कमी महसूस हो रही थी। इस कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने कमंडल से जल निकालकर छिड़का तो सुंदर स्त्री के रूप में एक देवी प्रकट हुई। उनके एक हाथ में वीणा और दूसरे हाथ में पुस्तक थी। तीसरे में माला और चौथा हाथ वर मुद्रा में था। यह देवी थीं मां सरस्वती। मां सरस्वती ने जब वीणा बजायी तो संसार की हर चीज में स्वर आ गया। इसी से उनका नाम पड़ा देवी सरस्वती। यह दिन था वसंत पंचमी का। तब से देवलोक, मृत्यु लोक में वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा होने लगी। पूजा के उपरांत छात्र-छात्रों ने भजन सुनाए और भजनों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए। नृत्य-गीत प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं में सुनील श्रीवास्तव, अभिनव कुमार, शुभम कुमार, आकाश कुमार, राजेश, प्रद्युम्न, सजल, आयुष कुमार, कुणाल, अंशिका आर्या, सृष्टि गुप्ता, सुकृति, श्रावंती वाजपेयी, जागृति कुमारी शामिल थीं। पूजन में विवि के कुलपति डा. राणा सिंह व एकेडमिक डीन अतुल कुमार ने भी भाग लिया। ★ ★ ★ ★ ★

दिल्ली स्थित एसिलर प्राइवेट कंपनी के भ्रमण पर गए संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं का दल।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने जानी कृत्रिम लैंस की बारीकियां

शैक्षणिक भ्रमण

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के आप्टोमैट्री के तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने दिल्ली स्थित एसिलर प्राइवेट इंडिया लिमिटेड कंपनी का दौरा किया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों ने कृत्रम नेत्र लैंस के बारे में उपयोगी जानकारियां हासिल कीं। मेडिकल एलाइड साइंसेज की डीन डा.पल्लवी श्रीवास्तव ने बताया कि भ्रमण के दौरान आप्टोमैट्री के छात्र-छात्राओं ने कृत्रिम लैंस के निर्माण की विधि, डिजाइन तथा इसके लगाने के तरीके को जाना। छात्र-छात्राओं ने यह भी जाना कि इन लैंसों के निर्माण में किस मैटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है, इसकी कोटिंग कैसे की जाती है, आखों पर कैसे काम करता है और इसके प्रयोग से आंखें कैसे सुरक्षित रहती हैं। इसके अलावा छात्र-छात्राओं ने नेत्र जांच में उपयोग आने वाली आधुनिकतम मशीनों और उनके कार्य करने के तरीके भी जाने। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को इस भ्रमण से काफी जानकारियां हासिल हुई और उन्होंने अनेक सवाल कर अपने ज्ञान में वृद्धि की। छात्र-छात्राओं के साथ शैक्षिणिक भ्रमण पर गए असिस्टेंट प्रोफेसर जगदीश सिंह ने बताया कि छात्र-छात्राओं को कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण किए जाने वाले आप्थेलमिक लैंस से आखों का रोगग्रस्त होने से भी बचाव होता है। आखों की सुरक्षा और दृष्टिहीनता से बचाव होता है।

★ ★ ★ ★ ★ ★

चौथी औद्योगिक क्रांति में शामिल होने को तैयार हों विद्यार्थी

संस्कृति विवि में इंडस्ट्री '4.0 एंड एप्लीकेशंस' विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंडस्ट्री 4.0 एंड एप्लीकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आए विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को चौथी औद्योगिक क्रांति के उन पहलुओं को बताया जिससे मानव जीवन का सीधे-सीधे जुड़ाव है। कहा गया कि मनुष्य के जीवन की बदलती वर्तमान जरूरतों और भविष्य की जरूरतों के लिए औद्योगिक तकनीक में क्या और कैसे बदलाव आ रहे हैं और कैसे बदलाव होने चाहिए यह सोचना आज के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण आवश्यकता है। संगोष्ठी में एअरकान सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक केडी सिहं ने विद्यार्थियों से कहा कि आपका अविष्कार औद्योगिक क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। कुछ नया और उपयोगी करने की सोच के साथ सारी दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। चाहे वह ऊर्जा के विकल्प तलाशने का क्षेत्र हो या फिर कचरे से ऊर्जा पैदा करने का नवीन तरीका, दोनों ही क्षेत्रों में विद्यार्थियों को करने के लिए बहुत कुछ है। आपका अविष्कार समाज में क्रांति ला सकता है। विद्यार्थियों को सिर्फ आज के बारे में ही नहीं सोचना है, उन्हें भविष्य की जरूरतों के बारे में भी सोचना है। उन्हें ऐसा कौशल हासिल करना है, ताकि ऐसी खोज कर सकें जिससे न केवल वातावरण सुरक्षित रहे वरन किफायती डिवाइस तैयार कर सकें। हर क्षेत्र में ऐसे अविष्कार किए जा रहे हैं, जिनसे ऊर्जा, समय और धन सबकी बचत करने में हम सफल हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जो भी समस्या है, वह तो है ही, लेकिन इसका दूसरा पक्ष है कि समस्या हमें मौका दे रही है कुछ उपयोगी करने का। कैंटियर सिस्टम लिमिटेड कंपनी के निदेशक आलोक वार्ष्णेय ने एक युवक का उदाहरण देते हुए बताया कि उसने कैसे चीनी उत्पाद से प्रतिस्पर्धा करने वाला किफायती और आधुनिक चेन पुली सिस्टम बनाकर व्यावसायिक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री 4.0 का मतलब है स्मार्ट इंडस्ट्री। चौथी औद्योगिक क्रांति का हिस्सा बनने के लिए उत्पादन, आटोमेशन, डाटा केंद्रित वातावरण में बदलाव लाने होंगे। उन्होंने बताया कि जिस उत्पादन को महीनों में परंपरागत तरीके से किया जाता था वह आज चंद घंटों में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किया जाने लगा है। जीवन शैली स्मार्ट हो चुकी है। स्मार्ट टेक्नोलाजी ने सबकुछ आसान कर दिया है। और अब स्मार्ट सिटी की स्थापना हो रही है, हो चुकी है। मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र में लगातार नया अविष्कार हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी ने सभी क्षेत्रों में क्रांति ला दी है। हमारे विद्यार्थियों को भी इस ओर आगे बढ़कर उद्यम खड़े करने होंगे। अपने आप को तैयार करें क्योंकि बहुत तेजी से दुनिया में उद्योग की तकनीकि बदल रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में संस्कृति विश्वविद्यालय के अकेडमिक डीन डा. अतुल कुमार ने विषय संबंधी जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने चौथी औद्योगिक क्रांति के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इश्रे दिल्ली चौप्टर की सेक्रेटरी पूर्णिमा शर्मा ने वर्तमान जरूरतों के लिए आवश्यक शिक्षा के बारे में बताया।

संस्कृति विवि फैशन डिजाइनिंग स्कूल द्वारा आयोजित ‘श्रीजन‘ प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के सामान का अवलोकन करते कुलाधिपति सचिन गुप्ता।

संस्कृति विवि के फैशन डिजाइनिंग स्कूल की छात्राओं ने लगाई मनभावन प्रदर्शनी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के फैशन डिजाइनिंग स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा दो दिवसीय ‘श्रीजन-द आर्ट आफ क्राफ्टिसंस’ का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्राओं ने घर को सजाने के लिए ऐसे उत्पाद तैयार किए गए जो सुंदर दिखने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी हों। इसीलिए इन वस्तुओं में कार्बनिक कपड़े और जूट का इस्तेमाल प्रचुर मात्रा में किया गया। प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने किया। प्रदर्शनी के अवलोकन के पश्चात कुलाधिपति ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि सबसे अच्छी बात यह कि इन वस्तुओं के निर्माण में उसी सामान का प्रयोग किया गया है जो हमारे पर्यावरण के अनुकूल है। निसंदेह इनको सुंदर बनाने में बच्चों ने बेहद मेहनत की है। हम यही चाहते हैं कि यहां से अध्ययन कर निकलने वाले बच्चे अपनी पारंगता के अनुरूप अपना स्वयं का उद्योग शुरू करें। अपने पैरों पर खड़े हों और दूसरों को रोजगार दे सकें। संस्कृति विवि के फैशन डिजाइनिंग स्कूल की असिस्टेंट प्रोफेसर नेहा सारस्वत ने बताया कि शैक्षणिक अनुभव और उद्यमशीलता के उत्साह को बढ़ाने के उद्देश्य से हमने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। ऐसी प्रदर्शिनियों से फैशन के साथ-साथ विद्यार्थियों में रचनात्मकता और कुछ नया करने की इच्छा जागृत होती है और यही विवि का उद्देश्य भी है। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए कृत्रिम फूल, गुलदस्ते, टेबल टाप, कुशन कवर, डाइनिंग टेबल कवर, कार्पेट, वुडन फोटो फ्रेम, कोस्टर सेट, मैग्जीन होल्डर, कैंडल, वाल हैंगिंग, नेटेड स्टोल आदि बेहद पसंद किए गए। इस मौके पर फैशन डिजानिंग स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं अर्पित मिश्रा, आयुषी पांडे, हर्षलता शर्मा, कौशल राज, श्रीमती पूजा मौर्या आदि मौजूद थे।

★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के सभागार में 'यूनानी दिवस' के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता।

संस्कृति विश्वविद्यालय में मनाया गया यूनानी दिवस

मथुरा। संस्कृति यूनानी मेडिकल कालेज और अस्पताल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ 'यूनानी दिवस' मनाया। यूनानी शोधकर्ता हकीम अजमल खां के जन्मदिन की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाने वाला यह दिवस विवि के छात्रों ने एक समारोह के रूप में मनाया। समारोह के दौरान विशेष रूप से तैयार किया गया केक भी काटा गया। समारोह में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने कहा कि एक पेशेवर चिकित्सक बनने के साथ-साथ आपको एक अच्छा इंसान भी बनना है। एक अच्छे व्यवहार वाला कुशल चिकित्सक इलाज के साथ-साथ मरीज को मानसिक राहत भी प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि यूनानी चिकित्सा एक किस्म की पर्शियन अरबी पारंपरिक औषधि प्रणाली है। इसका उपयोग मुगलकालीन भारत में किया गया, इसके अतिरिक्त दक्षिण एशियाई तथा मध्य एशिया में भी यूनानी चिकित्सा पद्धति का उपयोग किया जाता है। इसका प्रारंभ यूनान में हुआ था। उन्होंने यूनानी चिकित्सा का अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए यूनानी चिकित्सा पद्धति सप्ताह मनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने विशेष रूप से तैयार केक काटा। विवि के कुलपति डा. राणा सिंह ने छात्र-छात्राओं को एक अच्छा चिकित्सक बनने के लिए अध्ययन के प्रति गंभीरता की आवश्यकता को विस्तार से बताया। संस्कृति यूनानी मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल के प्राचार्य डा. वकार अहमद अहमद ने रोगों के निवारण और उपचार में यूनानी पद्धति के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत में इस चिकित्सा पद्धति की शुरुआत 13वी शताब्दी में दिल्ली सल्तनत की स्थापना के साथ हुई थी। हिप्पोकेट्स को इस पद्धति का जन्मदाता माना जाता है।

विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री में नौकरी पाने वाले संस्कृति विवि के छात्र-छात्राएं विवि के अधिकारियों के साथ।

संस्कृति विवि के 41 और छात्र-छात्राओं को मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में चल रहे कैंपस प्लेसमेंट के दौरान गुड़गांव से आई एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 19 और विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री ने 22 छात्रों को अच्छे वेतनमान पर चयनित किया है। कंपनी से आए अधिकारियों ने यह चयन लिखित, मौखिक परीक्षा के बाद यह चयन किया। संस्कृति विवि के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी आरके शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री आटोमेटिव इंडस्ट्री में एक जाना पहचाना नाम है। इसके द्वारा अतंर्राष्ट्रीय स्तर के उत्पाद तैयार किये जाते हैं। वहीं एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर एक प्राइवेट लिमिटेड गैर सरकारी कंपनी है। कंपनी बड़े स्तर पर बिल्डिंग निर्माण को पूरा करने का काम करती है। कंपनियों से आए अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को निर्धारित विस्तृत चयन प्रक्रिया के पश्चात चयनित किया है। विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री से आए एचआर विभाग के अधिकारियों ने संस्कृति विवि से जिन छात्रों को अपने यहां नौकरी के लिए चयनित किया है उनमें मैकेनिकल इंजीनिरिंग (डिप्लोमा) के तेजेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, समीर कुमार, संतोष कुमार, लाखन सिंह, राज कुमार, पियूष शर्मा, सुंदर सिंह, मुकेश, चंदरपाल, विष्णु सिंह, अनूप कुमार सिंह, सौरव सिंह, अमर सिंह, ओमप्रकाश, आकाश कुमार, अनिल कुमार, कौशिक राज इलेक्ट्रिक इंजीनिरिंग (डिप्लोमा) गौरव शर्मा, सुमित कुमार, मृत्युंजय कुमार, शिवम शर्मा हैं। एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने जिन छात्र-छात्राओं को कंपनी ने अपने यहां नौकरी दी है, उनमें संस्कृति विवि के बीबीए के छात्र अमित शर्मा, निखिल श्रीवास्तव, विपिन, प्रवीण वार्ष्णेय, आनंद कुमर तिवारी, छात्रा ऋतु अग्रवाल, बी.काम. के छात्र निश्चय शर्मा, श्रवण चौधरी, मयंक गोयल, प्रदीप माथुर, छात्रा अनुराधा अग्रवाल, बीएससी बीएड की छात्रा निशा चौहान, कीर्ति शर्मा, यामिनी प्रिया, ;तिका सिसौदिया, दीप्ती सिंह राघव, अंजू सिसौदिया, एमबीए की आज्ञा प्रवीन तथा बीएससी की सोनम वर्मा हैं। सभी चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि हमारे विवि से निकलकर बड़ी-बड़ी कंपनियों में रोजगार पा रहे छात्र-छात्राएं विवि का नाम तो ऊंचा कर ही रहे हैं साथ ही कंपनियों को भी आगे ले जाने में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। यही वजह है कि ये विद्यार्थी कंपनियों की आवश्यकताओं पर खरे उतर रहे हैं।

संस्कृति विवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कांटेक्ट लैंस की जानकारी देते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ।

आंखें बहुत कीमती हैं, इनकी सुरक्षा करें

संस्कृति विवि में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी, विशेषज्ञों ने बताए बीमारियों से बचने के उपाय

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आप्टोमैट्री विभाग एवं स्कूल आफ मेडिकल एलाइड साइंस के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय आप्टोमैट्री सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में आए विशेषज्ञ वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को कांटेक्ट लैंस और नेत्रों को सुरक्षित कैसे रखा जाय, इस विषय में विस्तार से जानकारियां दीं। संगोष्टी में आगरा से आए विशेषज्ञ एबी श्रीवास्तव ने कांटेक्ट लैंस के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आर्थो कांटेक्ट लैंस का उपयोग करके अपवर्तक त्रुटि को (refractive error) और आप्टम को कैसे दूर किया जा सकता है। आपको चाहिए कि कांटेक्ट लैंस के बारे में अपने अध्ययन को और अधिक विस्तार दें, ताकि आप इस क्षेत्र में पारंगत हो सकें। लखनऊ से आए विशेषज्ञ मनीष मायर ने कम ष्टि वाले रोगियों के लिए उपयुक्त उपकरण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस क्षेत्र में अपनाए जा रहे नवीतम उपकरणों की भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई खोजों से उपकरण निर्माण में बड़ा बदलाव आया है। कम दृष्टि नेत्र रोग वालों के लिए अब ऐसे आधुनिक उपकरण बन रहे जो आखों के लिए आरामदेह हैं। इसी क्रम में दिल्ली से आए नेत्र रोग विशेषज्ञ आनंद मती ने आंखों के रोग मायोपिया के बारे में जानकारी देते हुए इसके नियंत्रण के बारे में उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को केरेटोकोनस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक असामान्य स्थिति है जिसमें आमतौर पर गोलाकार, गुम्बदनुमा रहने वाला कार्निया पतला हो जाता है और कोन की तरह के आकार में उभर आता है। यह असामान्य आकार में प्रविष्ट होने वाले प्रकाश को रेटिना पर उचित प्रकार से केंद्रित होने से रोकता है और ष्टि में विकार उत्पन्न करता है। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में इस रोग को आसानी से ठीक किया जा सकता है। गंभीर मामलों में कार्निया के प्रतिस्थापन की आवश्यकता हो सकती है। सेमिनार में आप्टोमैट्री की छात्रा सुमन ठाकुर, विवेक चौहान, अंकितो स्तुति और पंकज कुमार ने पेपर प्रजेंटेशन और पीपीटी प्रेजेंटेशन में बताया कैसे हम अपनी आंख को सुरक्षित रख सकते हैं। सेमिनार में विवि के कुलपति डा. राणा सिंह, डीन एकेडमिक डा. अतुल कुमार, डा. पल्लवी आदि मौजूद रहे।

संस्कृति विवि में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद विद्यार्थी।

संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं को पे मी कंपनी में मिला प्लेसमेंट

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के कैंपस प्लेसमेंट के लिए लगातार दिग्गज कंपनियां रही हैं। इसी क्रम में विवि के बी.सी.ए., बी.काम., एमबीए और बीबीए के 19 छात्र-छात्राओं को पे मी इंडिया द्वारा चयन की लंबी प्रक्रिया के बाद प्लेसमेंट दी गई। इस अवसर पर कंपनी की एचआर ईशानी ने बताया कि पे मी इंडिया फायनेंशियल टेक्निकल आर्गेनाइजेशन है जो कार्पोरेट कर्मचारियों को एडवांस सेलरी लोन, इंस्टाट पे डे लोन, शार्ट टर्म कैश लोन बहुत ही कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराती है। उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं ने साक्षात्कार के दौरान अपनी श्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। हमारी जरूरतों पर ये छात्र-छात्राएं खरे उतरते हैं।

उल्लेखनीय है कि कंपनी द्वारा विवि की छात्रा सीमा कुमारी, ऋतु अग्रवाल, नेहा चौधरी, अंजली सिसौदिया, कृषिका पाठक, चेतना सिंह, योगिशा अग्रवाल व छात्र करन प्रताप सिंह, गौरव, मनीष यादव, अभिषेक शर्मा, मोहित कुमार, आनंद कुमार तिवारी, कुणाल गोला, आर्यन गुप्ता, अमन कुमार तिवारी, निश्चय शर्मा, चेतन सिंह, पवन कुमार, कार्तिकेय शर्मा का चयन किया है। चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि संस्कृति विवि शैक्षणिक पाठ्यक्रम ऐसा तैयार किया गया है ताकि बच्चे कंपनियों की वर्तमान जरूरतों पर खरे उतर सकें।

पे मी कंपनी में नौकरी पाने वाले संस्कृति विवि के छात्र-छात्राएं।

सी.टेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं और छात्र के साथ विवि के कुलपति डा. राणा सिंह एवं शिक्षकगण।

संस्कृति विवि की छात्रा ने सी.टेट में हासिल किए उच्चतम अंक

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय की छात्रा कुमारी कीर्ति ने सेंट्रल टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (सी.टेट) प्रदेश में उच्चत्तम अंकों (125) के साथ उत्तीर्ण विवि का नाम रौशन किया है। विश्वविद्यालय ने कीर्ति सहित सी.टेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली विवि की उन सभी छात्र-छात्राओं को एर समारोह के दौरान सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर छात्रा कीर्ति ने अपने साथी छात्र-छात्राओं को अपनी सफलता के मंत्र बताते हुए कहा कि मैंने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ इस टेस्ट की भी तैयारी की। इसके लिए अलग से कोई कोचिंग नहीं ली। प्रतिदिन यू ट्यूब पर चल रही क्लासेज को सुनकर नोट्स बनाए। उसने कहा कि एक ही विषय की कई किताबें भी नहीं पढ़नी चाहिए, इससे लाभ कम भ्रम ज्यादा होता है। सिर्फ ढाई घंटे की पढ़ाई पढ़कर मैंने यह परीक्षा उत्तीर्ण की है। तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को पिछले 10-15 वर्षों के पेपर जरूर देखने चाहिए। इससे पैटर्न का पता लग जाता है। विवि के कुलपति डा. राणा सिंह ने बच्चों को मन लगाकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर स्कूल आफ एजूकेशन के डीन महमूद खान, शिक्षक करमजीत सिंह आदि मौजूद थे।

सी.टेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली विवि की अन्य छात्राओं और छात्रों में भावना गौतम, भावना राजपूत, वर्षिता, प्रीति अग्रवाल, सौरभ सिंह, मुक्ति शर्मा, सोनू मौर्य हैं। इन सभी छात्र-छात्राओं को विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

★★★★★

संस्कृति विवि में आयोजित टेक्नो टेस्ट 2020 में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरुस्कृत करतीं विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा।

संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं ने किया तकनीकि प्रतिभा का प्रदर्शन

टेक्नो टेस्ट-2020

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी के द्वारा 'टेक्नो टेस्ट-2020' का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं के तकनीकि कौशल और ज्ञान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने कहा कि हम विद्यार्थियों को जो शिक्षा देते हैं, उसे वे किस तरह से ग्रहण कर रहे हैं, उनके ज्ञान और कौशल में किस तरह से वृद्धि हो रही है, इसका परीक्षण होते रहना चाहिए। 'टेक्नो टेस्ट 2020' इसी तरह का एक विशेष आयोजन है जिसमें छात्र-छात्राओं को अपने अर्जित तकनीकि ज्ञान और कौशल के प्रदर्शन का मौका मिलता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने पेपर पढ़े, क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रगतिशील विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में विवि के अकेडमिक डीन डा. अतुल कुमार, स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन विंसेट बालू ने विद्यार्थियों को अपने-अपने वक्तव्यों से कुछ नया करने को प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने अपने प्रगतिशील विचारों, पेपर और क्विज में सभी को अपने तकनीकि ज्ञान और कौशल से प्रभावित किया। प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज का समय कुछ नया करने का है। बच्चों को अपने तकनीकि ज्ञान के प्रदर्शन का अवसर मिलना चाहिए।

★ ★ ★ ★ ★